तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इतिशियल्य जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
11/2/26	पंत्रावली पेश हुई। प्रार्थी के अधिवक्ता मय प्रार्थी स्वयं उपस्थित। प्रार्थी के अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना पत्र बाबत् पत्रावली विड्रोल करने हेतु पेश करते हुए कथन किया कि दोनो पक्षों के मध्य लोक अदालत की भावना से आपसी राजीनामा होने से वादगस्त भूमि बाबत् समझौता हो चुका है। पक्षकारान पत्रावली में अन्य कोई अनुतोष प्राप्त करना नहीं चाहता है। इस हेतु इसी स्तर पर पत्रावली जरिये विड्रोल निरस्त करने का आदेश फरमावे। पत्रावली को निरस्त करने हेतु उभय पक्षकारान सहमत है। हमने पत्रावली में पक्षकारान की बहस सुनी तथा विड्रोल प्रस्तुत प्रार्थना पत्र का अवलोकन किया, जिसमें उभयपक्षकारान के मध्य लोक अदालत की भावना से आपसी राजीमाना होने पर पत्रावली इसी स्तर पर जरिये विड्रोल निरस्त करवाने हेतु सहमत है। लिहाजा प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत निगरानी प्रार्थना पत्र जरिये विड्रोल प्रार्थना पत्र पत्रावली इसी स्तर पर खारीज की जाती है। पत्रावली निरस्त उपरांत नंबर से कम हो। [redacted] कलक्टर [redacted]लोतरा	